जगदीश नन्दन महाविद्यालय

(ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई)

ई–मेल- jncmadhubani@gmail.com
कार्यालय दूरभाष: 06276-222247

स्थापना -1959
वेवसाइट- jncollegemdb.com

मधुबनी (बिहार)

हिन्दी दिवस समारोह

आज दिनांक 14/09/2022 को जगदीश नन्दन महाविद्यालय, मधुबनी के संगोष्ठी प्रकोष्ठ में प्रधानाचार्य डॉ0 लक्ष्मी कान्त मिश्र की अध्यक्षता में प्रातः 9 बजे से 'दिन्दी दिवश' समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अथिति के रूप में हिन्दी के लब्ध प्रतिष्ठित विद्वान् एवं इस महाविद्यालय के अवकाश प्राप्त एसोसिएट प्रोफेसर गंगा राम झा के साथ ही महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं कंई अन्य गण्यमान्य व्यक्ति और छात्र उपस्थित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुलगीत एवं दीप–प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। तदन्तर मुख्य अतिथि एवं प्रधानाचार्य को हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो0 हरे कृष्ण झा 'हरि' द्वारा पाग–दुपट्टा से स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि को प्रो0 झा ने उपहारस्वरूप 'गीता' पुस्तक भेंट की।

अपने बीज वक्तव्य में हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो0 झा ने हिन्दी के स्वरूप, विस्तार एवं उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रो0 गंगा राम झा ने छात्र/छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हिन्दी दिवस वर्ष में एक दिन नहीं, प्रतिदिन सम्पूर्ण जीवन में अपनाने का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिन्दी तो प्रत्येक भारतीय के श्वास में बसी हुई है।

हिन्दी दिवस की अध्यक्षता करते हुए विद्वान् प्रधानाचार्य डॉ0 लक्ष्मी कान्त मिश्र ने कहा कि हिन्दी में देश को एकता के सूत्र में बाँधने की अपूर्व शक्ति है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 ऋचा कुमारी ने कहा कि संप्रभु राष्ट्र के लिए राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रभाषा उसकी अस्मिता की पहचान होती है। इसके अभाव में राष्ट्र गूँगा हो जाता है।

प्रो0 गंगा प्रसाद ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित अन्य शिक्षकों एवं छात्र/छात्राओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये। शिक्षकों की ओर से डॉ0 संगीता कुमारी, डॉ0 सुप्रिया कुमारी, अल्पना कुमारी, पूनम कुमारी, डॉ0 त्रिलोक कुमार, प्रो0 वरूण कुमार प्रभात, डॉ0 छोटू पासवान, डॉ0 मिथिलेश कुमार मांझी, डॉ0 अरशद खान, डॉ0 राकेश कुमार, प्रो0 विक्की कुमार आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। छात्र/छात्राओ की ओर से प्रीती कुमारी, रूक्मिणी कुमारी, कुसुम कुमारी, खुशी कुमारी, दरक्शा प्रवीण, सुमित कुमार, केशव कुमार झा, मुकुन्द बिहारी, बृज बिहारी, नीलकमल सोनू, अभिषेक कुमार, प्रतिभा कुमारी, साक्षी कुमारी, स्वाति कुमारी, कामनी कुमारी, आदि ने अपना विचार रखा। कुछ छात्र/छात्राओं के द्वारा हिन्दी को समर्पित स्वरचित काव्य का वाचन किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

14.09.22

(प्रो0 हरे कृष्ण झा 'हरि')
हिन्दी विभागाध्यक्ष